इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शनिवार, 26 अगस्त 2023

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता।
- चाणक्य

वर्ष 15 अंक 349 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

एरा विवि में सेन्ट्रल जोन नियोकॉन न्यूट्रिशन वर्कशॉप-5 आयोजित

लखनऊ (सं)। एराज़ लखनऊ मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल के पीडियाट्रिक्स एंड नियोनेटोलाजी विभाग में सेन्ट्रल जोन नियोकॉन न्यूट्रिशन वर्कशॉप के तहत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में एरा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रोफेसर अब्बास अली मेहदी ने कहा कि देश की विकास दर में नवजात शिशु मृत्यु दर में कमी एक महत्वपूर्ण अंग है। लोगो को नवजात शिशु देखभाल व उसकी उपयोगिताओं के बारे में अवगत कराना बहुत आवश्यक है। ईएलएमसीएच के डीन डॉ. प्रोफेसर एमएमए फरीदी ने कहा कि भारत में स्वास्थ्य की नवजात शिशु मृत्यु दर एक गंम्भीर समस्या है। लोगों को नवजात शिशु देखभाल व उसकी उपयोगिताओं के बारें में अवगत कराना बहुत आवश्यक है। सभी स्वास्थ्य कर्मियों को भी उसकी उचित जानकारी होनी चाहिए ताकि समय पर उचित इलाज हो सके। एराज़ लखनऊ मेडिकल कालेज में आयोजित वर्कशॉप में विशेषज्ञों ने जूनियर डॉक्टरों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रीश भटनागर, प्रोफेसर गीतिका श्रीवास्तव, प्रोफेसर छवि नन्दा, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुमैया शमसी, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. लिली सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हारुन सिद्दीकी, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिग्विजय चौधरी और कंसलटेंट नियोनेटोलॉजेस्ट विषेशज्ञ डॉ. रोमेश गौतम उपस्थित रहे। डॉ. रोमेश गौतम ने कम दिन के पैदा हुए नवजात बच्चों में होने वाली परेशानियों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. थापर ने नवजात बच्चों में वजन बढ़ाने के लिए किये जाने वाले उपायों के बारे में बताया। डॉ. अनीस ने नवजात बच्चों में फीडिंग की समस्यों पर अवगत कराया।

प्रोफेसर श्रीश भटनागर ने बताया कि बहुत कम वजन के पैदा होने वाले बच्चों को पेट की बीमारियां होने की संभावना अधिक होती है। डॉ. हारुन सिद्दीकी ने नवजात शिशु में पोषण बढ़ाने के तरीकों के बारे में बताया और कंगारू मदर केयर के बारे में भी समझाया। बाहर से आये चिकित्सों ने एराज लखनऊ मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल के पीडियाटिक्स एंड नियोनेटोलाजी विभाग का निरीक्षण किया और विभाग में चल रहे कार्यों की सराहना की।